

[Shri Birendra Prasad Baishya]

bomb blast in Hyderabad revealed that intelligence agencies had already given information about that. In this regard, it has been stated that Central intelligence agency has informed Assam State police about such activity of Indian Mujahideen to trigger some untoward incident at Kamakhya. Hence, I urge upon the Government to take urgent measures in this regard and deploy adequate number of Commando force or Special Task Force towards ensuring safety and security of the common visitors as well as devotees of the Kamakhya Temple at the earliest.

**Demand to take strict action against illegal acquisition of property and to protect the interests of non-resident Indians in the country**

**श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप** (उत्तर प्रदेश): महोदय, भारतवर्ष के लाखों एन.आर.आई. यानी प्रवासी भारतीय विदेशों में जाकर अपनी योग्यता व अनुभव के आधार पर व्यापार, कारोबार व नौकरी आदि करके भारत की आर्थिक नीति को मजबूती देने में अपना सहयोग करते हैं। मेरे विचार से पंजाब अकेला ऐसा प्रदेश है, जहां से कई लाख लोग अमरीका, कनाडा, न्यूजीलैंड, इटली और इंग्लैंड आदि प्रमुख देशों में अपना कारोबार करते हैं तथा पैसा कमाकर पंजाब में अपनी संपत्ति व अपने कारोबार को बढ़ाते हैं। पंजाब के अनेक प्रवासी भारतीयों ने अपना दुख व्यक्त करते हुए अवगत कराया कि पंजाब के अंदर कुछ ताकतवर लोग उनकी कोटियों और सम्पत्तियों पर अवैध कब्जा कर लेते हैं और कब्जा छोड़ने की बाबत अवैध रूप से लाखों रुपए वसूलते हैं। इतना ही नहीं बहुत से अपराधिक प्रवृत्ति के लोग इनके खिलाफ पुलिस में झूठी शिकायतें करके, इन्हें आर्थिक तौर से हानि पहुंचाते हैं।

महोदय, उपरोक्त प्रवासी भारतीयों के साथ होने वाले अन्याय के कारण प्रवासी भारतीयों को पंजाब व भारत में पूंजी निवेश न करने पर मजबूर होना पड़ रहा है, जिसके कारण देश में पूंजी निवेश में भी कमी होगी।

अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूँ कि वह हमारे देश के प्रवासी भारतीयों (एन.आर.आई.) की कोटियों व सम्पत्तियों पर अवैध कब्जा करने वाले लोगों तथा थानों में झूठी शिकायतें लिखवाकर अवैध वसूली करने वाले व्यक्तियों को सूचीबद्ध करके, उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई करने का कष्ट करे।

**Demand for setting up an AIIMS-like institute in Santhal Pargana of Jharkhand**

**SHRI SANJIV KUMAR** (Jharkhand): Jharkhand State which was carved out in the year 2000 has not received necessary attention and continued to lag behind other States of the Union. Jharkhand's backwardness has been compounded by the fact that its tribal population which constitutes 27 per cent of the State has faced untold hardships for centuries. I would like to focus on a tribal dominated area

within Jharkhand, Santhal Pargana, which consists of six districts, Godda, Deoghar, Dumka, Jamtara, Sahibganj and Pakur. Santhal Pargana has over decades witnessed exploitation of its natural resources. Coal mining projects, other mines, etc., have had a pernicious effect of polluting the environment, rivers, air and ground water. Large swathes of open cast mines and millions of tonnes of coal transported in trucks have taken a toll on the health, particularly of the poor. Tuberculosis, asthma and cancer have become common afflictions of the poor who are bearing the brunt of skewed and asymmetric development that Santhal Pargana has been witnessing. Over six decades of independence, Santhal Pargana has no medical college. Given the abject state of health indicators and serious level of environmental pollution, it is indeed the necessity of the day that this most backward area of Jharkhand receives due attention.

Therefore, I urge upon the Government to consider creating a super-specialty medical hospital. The Government is creating six AIIMS like hospitals in the country. A suitable location in Santhal Pargana may be selected for a similar hospital.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Vivek Gupta; not present. Dr. C.P. Thakur; not present.

#### **Demand to declare Vidisha a tourist place**

**चौधरी मुनव्वर सलीम** (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं भारतवर्ष के हृदय स्थल मध्य प्रदेश के मध्य में बसे तथा विदिशा की व्यथा आपके माध्यम से भारत सरकार के सामने रखना चाहता हूँ, जो भारत के प्राचीन इतिहास में सम्राट अशोक के समुद्रमंथन के रूप में उल्लेखित है, वह विदिशा, जहाँ महान कवि कालिदास ने महान ग्रंथ 'मेघदूत' की रचना की। विदिशा के इर्द-गिर्द दुनिया की प्राचीनतम इमारतें बनी हुई हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व धरोहर (World Heritage) के रूप में मान्यता दी हुई है, जिनको देखने दुनिया के कोने-कोने से लोग आते हैं। लगभग 7 किलोमीटर पर सांची का महान प्राचीनतम स्तूप स्थित है, जो दुनिया के बौद्ध धर्मावलम्बियों का तीर्थ स्थल है। उदयगिरी की मानव निर्मित पाषाण गुफाएँ, जिनमें बने हुए शाहकारे हजारों वर्ष पुरानी भारतीय संस्कृति और कला का अद्भुत उदाहरण हैं। विदिशा जिले के ग्यारसपुर कस्बे में जैन और ब्राह्मण संस्कृति का हजारों साल पुराना सांस्कृतिक इतिहास शिवालों के रूप में दिखाई देता है। यहीं शाल भजिका का वह नायाब शाहकारा भी मौजूद है, जो दुनिया में भारतीय कलाकारों का सम्मान बढ़ाता है और यह सोचने पर मजबूर कर देता है कि भारतीय कलाकार पत्थरों को भी मुस्कराहट और हुस्न दिया करते थे। इसी विदिशा के उदयपुर में महादेव का वह प्राचीन नीलकण्ठेश्वर मंदिर है, जिसकी कला निहारने